भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 536 का उत्तर

रामपुर रेलवे स्टेशन के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

536. श्री मोहिब्बुल्लाह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए किस प्रकार इसका उद्देश्य देश भर के रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत रामपुर रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण हेतु आवंटित और उपयोग के लिए प्रस्तावित बजट का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त स्टेशन के नवीनीकरण कार्य की वर्तमान स्थिति और तत्संबंधी अपेक्षित समापन तिथि क्या है;

(घ) सरकार द्वारा उक्त स्टेशन पर यात्री सुविधाओं जैसे प्रतीक्षालय, भोजनालय और पेयजल सुविधाओं में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ङ) सरकार द्वारा उक्त स्टेशन का नवीनीकरण निर्धारित समय-सीमा और बजट के भीतर पूरा हो, यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(च) नवीनीकृत रामपुर रेलवे स्टेशन दिव्यांगों और अन्य विशेष आवश्यकताओं वाले यात्रियों के लिए सुलभ और समावेशी हो, यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रामपुर रेलवे स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है और इसे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। स्टेशन पर विकास कार्यों

के लिए, निविदाएँ जारी की गई हैं और प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर आदि जैसे विकास कार्य और दिव्यांगजनों के लिए रैंप, स्पर्शनीय मार्ग, कम ऊँचाई वाले टिकट काउंटर, कम ऊँचाई वाले वाटर बूथ, शौचालय, पार्किंग आदि जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, रामपुर स्टेशन पर पर्याप्त खानपान/वेंडिंग सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें 04 खानपान इकाइयाँ, 02 दूध स्टॉल और 02 पानी की वेंडिंग मशीनें शामिल हैं। स्टेशनों पर खानपान/वेंडिंग इकाइयां मौजूदा नीति दिशानिर्देशों के तहत उपलब्ध कराई जाती हैं।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत् प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता, धन की उपलब्धता के अनुसार किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडॉल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी संकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे स्टेशनों की योजना दिव्यांगजनों (दिव्यांगजनों) के लिए सुगम्यता आवश्यकताओं के अनुसार बनाई जा रही है, जैसा संबंधित राजपत्र अधिसूचनाओं में उल्लिखित है। इसी प्रकार, नेटवर्क के अन्य स्टेशनों पर भी चरणबद्ध तरीके से सुगम्य सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर, आंवला, अयोध्या धाम, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बलिया, बालामऊ, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली जं., बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी,

		चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, खोरसनरोड, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मगहर, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जं., निहालगढ़, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं.,

		उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट. वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, व्यासनगर, जाफराबाद.

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किया गया हैं। अब तक, इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य के 20 स्टेशनों (अयोध्या धाम, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह, आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन, सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) पर चरण-I का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तीव्र गति से शुरू किया गया है और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- गाजियाबाद स्टेशन पर, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, पैदल पार पुल की नींव का कार्य, रूफ प्लाजा, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर विद्युत उपकेंद्र, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल भवनों का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- सीतापुर जंक्शन स्टेशन पर, पुराने स्टेशन भवन के सुधार कार्य, प्लेटफार्म फर्श, प्लेटफार्म शेल्टर, चाहरदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा नए स्टेशन भवन की नींव, पैदल पार पुल, पे एंड यूज शौचालय का नवीनीकरण, परिचलन क्षेत्र सड़क, पार्किंग आदि का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
- जौनपुर जंक्शन स्टेशन पर, नए स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर और शौचालय ब्लॉक का संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिया गया है।
- जौनपुर सिटी स्टेशन पर, प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **मोदी नगर स्टेशन पर, स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय और शौचालयों में सुधार, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है तथा भवन के छोटे-मोटे कार्य, प्लेटफार्म की सतह, साइनेज, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार कार्य शुरू कर दिया गया हैं।**
- **प्रयागराज स्टेशन पर, रेल मेल सेवा भवन, पार्सल भवन, आगमन भवनों, द्वितीय प्रवेश द्वार पर बेसमेंट प्लाजा, विद्युत उपकेंद्र का संरचनात्मक कार्य पूरा किया जा चुका है और इन संरचनाओं का परिष्करण कार्य शुरू हो चुका है। पैदल पार पुल संख्या 2 का विस्तार कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, एयर कॉन्कोर्स और पुनर्स्थापित संरचनाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। स्टेशनों के विकास और रखरखाव के लिए निधियों का आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। यात्री सुविधाएं सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के तहत वित्तपोषण की जाती है। उत्तर प्रदेश राज्य में रामपुर रेलवे स्टेशन उत्तर रेलवे जोन के अंतर्गत आता है और वर्ष (बजट अनुमान 2025-26) के लिए, योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के तहत स्टेशनों के विकास और रखरखाव के लिए उत्तर रेलवे को निधि आवंटन 2,216 करोड़ रूपए की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट

किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****